श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
बी-४ कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-११००१६

दिनांक २०.०४.२०२१ को पूर्वाह्ण ११:०० बजे ऑनलाइन/ऑफलाइन माध्यम से आयोजित विद्यापरिषद् की तृतीय बैठक का कार्यवृत्त

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) नई दिल्ली की विद्या परिषद् की तृतीय बैठक दिनांक 20.04.2021 को पूर्वाह्ण 11:00 बजे कुलपति महोदय की अध्यक्षता मे वाचस्पति सभागार में सम्पन्न हुई। कोविड-19 महामारी के कारण इस बैठक का आयोजन द्विप्रकारक (ऑफलाइन/ऑनलाइन) उपस्थिति के माध्यम से किया गया। बैठक में निम्नलिखित सदस्यों ने भाग लिया

1. प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय	अध्यक्ष	(ऑफलाइन)
2. प्रो. रमाकान्त पाण्डेय	बाह्य सदस्य	(ऑनलाइन)
3. प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी	बाहय सदस्य	(ऑनलाइन)
4. प्रो. रामनाथ झा	बाहय सदस्य	(ऑनलाइन)
5. प्रो. नागेन्द्र झा	सदस्य	(ऑनलाइन)
6. प्रो. प्रेम कुमार शर्मा	सदस्य	(ऑनलाइन)
7. प्रो. हरेराम त्रिपाठी	सदस्य	(ऑनलाइन)
8. प्रो. केदार प्रसाद परोहा	सदस्य	(ऑनलाइन)
9. प्रो. के. भारत भूषण	सदस्य	(ऑनलाइन)
10. प्रो. महेश प्रसाद सिलोड़ी	सदस्य	(ऑनलाइन)
11. प्रो. सुदीप कुमार जैन	सदस्य	(ऑनलाइन)
12. डॉ. एस.सुदर्शन	सदस्य	(ऑनलाइन)
13. प्रो. मारकण्डेनाथ तिवारी	सदस्य	(ऑनलाइन)
14. प्रो. रामानुज उपाध्याय	सदस्य	(ऑनलाइन)
15. प्रो. शिवशंकर मिश्र	सदस्य	(ऑनलाइन)
16. प्रो. सविता	सदस्या	(ऑनलाइन)
17. प्रो. मीनू कश्यप	सदस्या	(ऑनलाइन)
18. प्रो. कल्पना जैन	सदस्या	(ऑनलाइन)

सत्यापित VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

19. प्रो. कुलदीप कुमार	सदस्य	(ऑनलाइन)
20. प्रो. धर्मानन्द राउत	सदस्य	(ऑनलाइन)
21. डॉ. आदेश कुमार	सदस्य	(ऑनलाइन)
22. डॉ. मनोज कुमार मीणा	सदस्य	(ऑनलाइन)
23. प्रो. भागीरथि नन्द	विशेष आमंत्रित सदस्य	(ऑनलाइन)
24. प्रो. नीलम ठगेला	विशेष आमंत्रित सदस्या	(ऑनलाइन)
25. प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज	विशेष आमंत्रित सदस्या	(ऑफलाइन)
26. प्रो. जय कुमार एन. उपाध्ये	सदस्य	(ऑनलाइन)
27. प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ल	सदस्य	(ऑनलाइन)
28. प्रो. राम राज उपाध्याय	सदस्य	(ऑनलाइन)
29. प्रो. महानन्द झा	सदस्य	(ऑनलाइन)
30. प्रो. संगीता खन्ना	सदस्या	(ऑनलाइन)
31. प्रो. पीयूष कान्त दीक्षित	सदस्य	(ऑनलाइन)
32. प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा	सदस्य	(ऑनलाइन)
33. प्रो. रमेश प्रसाद पाठक	सदस्य	(ऑनलाइन)
34. प्रो. वीर सागर जैन	सदस्य	(ऑनलाइन)
35. प्रो. विनोद कुमार शर्मा	सदस्य	(ऑनलाइन)
36. प्रो. सुजाता त्रिपाठी	सदस्य	(ऑनलाइन)
37. प्रो. ए.एस. आरावमुदन	सदस्य	(ऑनलाइन)
38. डॉ. अशोक थपलियाल	सदस्य	(ऑनलाइन)
39. डॉ. सुशील कुमार	सदस्य	(ऑनलाइन)
40. डॉ. एन.पी. सिंह	विशेष आमंत्रित सदस्य	(ऑफलाइन)
41. डॉ. अलका राय	सचिव	(ऑनलाइन)

प्रो. सुधांशुभूषण पण्डा विद्यापरिषद् की बैठक में सम्मलित नहीं हो सके।

प्रो. रामानुज उपाध्याय जी के वैदिक मङ्गलाचरण से विद्यापरिषद् का शुभारम्भ हुआ। माननीय कुलपति महोदय द्वारा विद्या परिषद् के सदस्यों का बैठक में उपस्थित होने पर अभिनन्दन किया गया तथा अवगत करवाया गया कि कोविड-19 महामारी से उत्पन्न परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों का संचालन ऑनलाइन/ऑफलाइन माध्यम से सुचारु रूप से पूर्ण किया गया। कुलपति महोदय द्वारा यह भी अवगत करवाया गया कि भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने के पश्चात् इस विश्वविद्यालय द्वारा अपने पाठ्यक्रमों को उसके अनुरूप तैयार करने हेतु समिति का गठन किया गया। समिति द्वारा विचार-विमर्श उपरान्त पाठ्यक्रमों का प्रारूप तथा आगामी सत्र से प्रथम

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

चरण में शास्त्री प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर/द्वितीय सेमेस्टर) कक्षा हेतु पाठ्यक्रमों को तैयार कर शैक्षणिक सत्र 2021-22 से विश्वविद्यालय में लागू किया जाएगा। कोविड-19 महामारी से उत्पन्न परिस्थितियों के कारण विश्वविद्यालय तथा छात्रहित को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा सम्पन्न परीक्षाएँ तथा नए छात्रों के प्रवेश हेतु किए गए कार्यों के लिए विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक वर्ग एवं गैर-शैक्षणिक वर्ग के सदस्यों की सराहना की गई। कुलपति महोदय की स्वीकृति के उपरान्त विशेष कार्याधिकारी (परीक्षा) द्वारा विद्यापरिषद् की तृतीय बैठक के लिए कार्यसूची को प्रस्तुत किया गया।

<u>संकल्प संख्या ३.१:</u> विद्या परिषद् की दिनांक ०६ नवम्बर, 2020 को सम्पन्न द्वितीय बैठक में लिये गये निर्णयों की पुष्टि।

विद्या परिषद् की दिनांक 06 नवम्बर, 2020 को सम्पन्न हुई द्वितीय बैठक में लिये गये निर्णयों की पुष्टि की की गई।

<u>संकल्प संख्या ३.२:</u> विद्या परिषद् की दिनांक ०६.११.२०२० को सम्पन्न हुई द्वितीय बैठक में लिये गये निर्णयों पर कृत कार्यवाही के प्रतिवेदन की पुष्टि।

दिनांक 06.11.2020 को सम्पन्न हुई द्वितीय बैठक में लिये गये निर्णयों पर क्रियान्वयन के विषय पर प्रस्तुत कृत कार्यवाही की विद्या परिषद् द्वारा पुष्टि की गई ।

विद्या परिषद् द्वारा यह निर्णय भी लिया गया कि जिन विषयों पर कृत कार्यवाही अभी तक अपेक्षित है, सम्बन्धित विभाग/समिति सम्बन्धित विषयों पर यथाशीघ्र आवश्यक कार्यवाही सम्पन्न कर कृत कार्यवाही की रिपोर्ट स्वीकृति हेतु प्रस्तुत करें । विद्या परिषद् द्वारा यह भी निर्णय लिया गया कि बी.ए. योग एवं एम.ए. योग पाठ्यक्रमों में सर्वोत्तम अंक प्राप्त करने वाले एक-एक छात्र को स्वर्ण पदक प्रदान करने हेतु विश्वविद्यालय को राशि प्रदान करने वाले को कुलसचिव द्वारा धन्यवाद पत्र भेजा जाय।

<u>संकल्प संख्या ३.३:</u> शोध उपाधि समिति द्वारा संस्तुत माह नवम्बर २०२० से मार्च, २०२१ तक विद्यावारिधि (पीएच.डी) छात्रों की सूची विद्या परिषद् की पुष्टि हेतु प्रस्तुत।

शोध उपाधि समिति द्वारा संस्तुत (25)शोध छात्रों को जारी अस्थायी प्रमाण-पत्र की सूची विद्या परिषद् द्वारा पुष्टि की गई ।

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

संकल्प संख्या ३.४: शिक्षाचार्य (चतुर्थ सैमेस्टर) एवं दिसंबर, २०२० (द्वितीय, चतुर्थ एवं षष्ठ सैमेस्टर की पुनः परीक्षा) में सम्पन्न शास्त्री, बी.ए. (योग), आचार्य, एम.ए. (योग), शिक्षाशास्त्री के परीक्षा परिणाम की पुष्टि।

शिक्षाचार्य (चतुर्थ सैमेस्टर) एवं दिसंबर, 2020 (द्वितीय, चतुर्थ एवं षष्ठ सैमेस्टर की पुनः परीक्षा) में सम्पन्न शास्त्री, बी.ए. (योग), आचार्य, एम.ए. (योग), शिक्षाशास्त्री कक्षाओं के परीक्षा परिणाम एवं परीक्षा मण्डल द्वारा लिये गये निर्णयों की विद्या परिषद् द्वारा पुष्टि की गई ।

संकल्प संख्या ३.५: केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में कार्य करने के उपरान्त पाठ्यक्रम पूर्ण करने वाले छात्रों को जारी किए जाने वाली प्रमाणपत्र, उपाधिपत्रक, अंकतालिका आदि का प्रारूप तैयार करने हेतु गठित समिति की बैठक का कार्यवृत्त विद्या परिषद् की पुष्टि हेतु प्रस्तुत।

केन्द्रीय विश्वविद्यालय घोषित होने के उपरान्त विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा अपना पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात् जारी किये जाने वाले प्रमाणपत्र, उपाधिपत्रक, अंकतालिका आदि का प्रारूप तैयार करने हेतु गठित समिति के कार्यवृत्त एवं विश्वविद्यालय में शास्त्री, बी.एससी. योग, आचार्य, एम.एससी. योग, शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य, विशिष्टाचार्य, विद्यावारिधि, पी.जी.डिप्लोमा, डिप्लोमा एवं प्रमाण-पत्र के पाठ्यक्रमों में पाठ्यक्रम पूर्ण करने के उपरान्त छात्रों को जारी की जाने वाले नवीन प्रमाणपत्र, उपाधिपत्रक, अंकतालिका आदि को लागू करने की विद्या परिषद् द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई ।

संकल्प संख्या ३.६: दिनांक ९,१० एवं ११ दिसंबर, २०२० को ऑनलाईन /ऑफलाईन माध्यम से आयोजित शोध मण्डल की बैठक का कार्यवृत्त विद्या परिषद् की पुष्टि हेतु प्रस्तुत।

शैक्षणिक सत्र 2019-20 में विद्यावारिधि पाठ्यक्रम में पंजीकरण हेतु शोध मण्डल की बैठक दिनांक 9, 10 एवं 11 दिसंबर, 2020 को ऑनलाइन / ऑफलाईन माध्यम से आयोजित की गई थी । संलग्न सूची में दिये गये 169 शोधार्थियों के सम्बन्ध में शोध मण्डल की बैठक में पारित संस्तुतियों की विद्या परिषद् द्वारा पुष्टि की गई ।

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

<u>संकल्प संख्या ३.७</u>: शैक्षणिक सत्र २०२०-२१ में नियमित एवं अशंकालिक पाठ्यक्रमों में प्रविष्ट छात्रों की संख्या विद्या परिषद् के सूचनार्थ प्रस्तुत।

शैक्षणिक सत्र 2020-21 में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश ऑनलाइन माध्यम से किया गया था। छात्रों से सम्बन्धित प्रस्तुत की गई सूची में पाठ्यक्रमों के अनुसार दर्शाय गए छात्रों का प्रवेश विद्यापरिषद् द्वारा अनुमोदित किया गया।

<u>संकल्प संख्या ३.८</u>: शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य एवं विद्यावारिधि पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक सत्र २०२१-२२ में प्रवेश हेतु विश्वविद्यालय द्वारा लिखित प्रवेश परीक्षा का आयोजन करने हेतु गठित संचालन समिति की बैठक का कार्यवृत्त विद्या परिषद् की पुष्टि हेतु प्रस्तुत।

शैक्षणिक सत्र 2021-22 में शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य एवं विद्यावारिधि पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु लिखित प्रवेश परीक्षा 2021 आयोजित करने हेतु गठित संचालन समिति (Steering Committee) की बैठक में लिये गये निर्णयों के कार्यवृत्त की विद्या परिषद् द्वारा पुष्टि की गई

<u>संकल्प संख्या ३.९</u>: शैक्षणिक सत्र २०२१-२२ में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित नियमित एवं अंशकालीन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने हेतु प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श कर नीति निर्धारण करने हेतु गठित समिति की बैठक का कार्यवृत्त विद्या परिषद् की स्वीकृति हेतु प्रस्तुत।

शैक्षणिक सत्र 2021-22 में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित नियमित पाठ्यक्रम शास्त्री, आचार्य, बी.एस.सी.योग, एम.एस.सी. योग एवं अंशकालिक पाठ्यक्रमो में प्रवेश लेने हेतु प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श करने हेतु गठित समिति की बैठक में लिये गये निर्णयों के कार्यवृत्त तथा उसके अनुसार तैयार किया गया शैक्षणिक सत्र 2021-22 के शैक्षणिक कैलेण्डर की विद्यापरिषद् द्वारा पुष्टि की गई । प्रवेश प्रक्रिया से सम्बन्धित प्रस्तावित तिथियों के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न करने की स्वीकृति प्रदान की गई, जिसका विवरण निम्नप्रकार से है:-

<u>प्रवेश से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तिथियाँ:-</u>

ऑनलाइन माध्यम से आवेदन पत्र भरने की तिथि	20.05.2021 से 11.07.2021
विलम्ब शुल्क सहित ऑनलाईन आवेदन पत्र भरने की अन्तिम तिथि	12.07.2021 से 15.07.2021

सत्यापित VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

ऑनलाइन माध्यम से प्रवेश पत्र डाउनलोड करने की तिथि	19.07.2021 से 25.07.2021
लिखित प्रवेश परीक्षा की प्रविधि	ऑफलाइन/ऑनलाइन
लिखित प्रवेश परीक्षा की प्रस्तावित तिथि	25.07.2021 (रविवार)
प्रवेश परीक्षा परिणाम की घोषणा तिथि	02.08.2021
प्रवेश प्रक्रिया का प्रारम्भ	09.08.2021 से 24.08.2021
कक्षाओं का आरम्भ	30.08.2021

कोविड-19 महामारी से उत्पन्न परिस्थितियों को संज्ञान में लेते हुए आवश्यकतानुसार उपरोक्त प्रस्तावित तिथियों में विश्वविद्यालय द्वारा अपेक्षित परिवर्तन हेतु कुलपति को अधिकृत किया गया।

संकल्प संख्या ३.१०: दिनांक १९.०४.२०२१ को आयोजित आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की बैठक में लिए गए निर्णयों का कार्यवृत्त विद्या परिषद् की पुष्टि हेतु प्रस्तुत।

दिनांक 19.04.2021 को ऑनलाइन माध्यम से आयोजित आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की बैठक में लिये गये निर्णयों के कार्यवृत्त की विद्या परिषद् द्वारा पुष्टि की गई तथा लिये गये निर्णयों पर आवश्यक कार्यवाही सम्पन्न करने हेतु सम्बन्धित विभागों को कार्यवृत्त की प्रति प्रेषित की जाए।

संकल्प संख्या ३.११: सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रेषित जन सूचना संख्या एफ.१-१०/२०२० (CPP-II) दिनांक १६.३.२०२१ के अनुसार प्रेषित दिशानिर्देशों के अनुपालन में एम.फिल. एवं पीएच.डी. उपाधि हेतु पंजीकृत शोध छात्रों को ३०.०६.२०२१ से अतिरिक्त छह माह की समय वृद्धि दिनांक ३१.१२.२०२१ तक प्रदान करने के संबंध में।

विद्या परिषद् द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रेषित दिशानिर्देशों को संज्ञान में लेते हुये एम.फिल. / पीएच.डी. पाठ्यक्रम के सम्बन्धित शोध छात्रों को 30.06.2021 तिथि के उपरान्त अतिरिक्त छह माह की समय वृद्धि दिनांक 31.12.2021 के भीतर निर्धारित औपचारिकताओं को पूर्ण कर अपना लघुशोध प्रबंध / शोध प्रबंध जमा करने की स्वीकृति प्रदान की गई।

सत्यापित VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

संकल्प संख्या ३.१२: शिक्षण अधिगम केन्द्र द्वारा चतुर्थ चरण में आयोजित कार्यक्रमों का विवरण विद्या परिषद् के सूचनार्थ प्रस्तुत।

शिक्षाशास्त्रविद्यापीठ के अन्तर्गत स्थापित शिक्षण अधिगम केन्द्र की निदेशिका द्वारा प्रदत्त रिपोर्ट के अनुसार अधिगम केन्द्र द्वारा दिनांक 13 मई, 2020 से 19 मार्च, 2021 तक विभिन्न विषयों पर 11 कार्यक्रम आयोजित किये गये। शिक्षण अधिगम केन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की विद्या परिषद् द्वारा पुष्टि की गई।

संकल्प संख्या ३.१३: शिक्षाशास्त्र संकाय के अन्तर्गत स्थापित-शिक्षण अधिगम केन्द्र को विश्वविद्यालय के आर्थिक संसाधन द्वारा संचालित करने हेतु शिक्षा मंत्रालय से प्राप्त पत्र पर विचार-विमर्श करने हेतु कुलपति महोदय की अध्यक्षता में गठित समिति के निर्णयों पर विचार एवं अनुमोदन हेतु प्रस्तुत।

मंत्रालय द्वारा प्रेषित पत्र संख्या F.No. 1-1/2021-PN.II दिनांक 31.03.2021 के अनुपालन में दिनांक 06.04.2021 को आयोजित समिति की बैठक में लिये गये निर्णयों के अनुसार पण्डित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अन्तर्गत स्वीकृत शिक्षण अधिगम केन्द्र को आगामी वर्षों में कुलपति के मार्गनिर्देशन में विश्वविद्यालय के आर्थिक संसाधन द्वारा संचालित करने हेतु गठित समिति की बैठक में लिये गये निर्णयों के कार्यवृत्त की विद्या परिषद् द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई तथा यह निर्णय भी लिया गया कि शिक्षण अधिगम केन्द्र की निदेशिका के रुप में प्रोफेसर अमिता पाण्डेय भारद्वाज कार्य करेंगी। उनके द्वारा केन्द्र के अन्तर्गत आयोजित की जाने वाली प्रस्तावित कार्यक्रम रूपरेखा 2021-22 (फेस-5) की भी स्वीकृति प्रदान की गई।

संकल्प संख्या ३.१४: राष्ट्रीय शिक्षानीति २०२० के अनुपालन में पाठ्यक्रम प्रारूप तैयार करने हेतु गठित समिति की बैठक का कार्यवृत्त विद्या परिषद् की पुष्टि हेतु प्रस्तुत।

दिनांक 06.11.2020 को आयोजित विद्या परिषद् की द्वितीय बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुसार शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रस्तावित भारतीय ज्ञान परम्परा के मूल सिद्धान्तों से छात्रों को अवगत कराने तथा अन्तः शास्त्रीय अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सभी पाठ्यक्रमों की समीक्षा कर उनमें आवश्यक संशोधन/नवीनीकरण करने की स्वीकृति प्रदान की गई थी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० में प्रदत्त प्रावधानों के अनुसार स्नातक स्तर की उपाधि चार वर्ष की अवधि की होगी। इस अवधि के भीतर कई निकास विकल्प के साथ पसंदीदा विकल्प होगें।

इसी प्रक्रिया के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा पाठ्यक्रम प्रारूप तैयार करने हेतु गठित समिति की अनुशंसा के अनुसार विश्वविद्यालय में प्रथम चरण में शास्त्री प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर/द्वितीय सेमेस्टर) कक्षा से नवीन पाठ्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2021-22 से लागू किया जायेगा। विद्या परिषद् द्वारा पाठ्यक्रम प्रारूप समिति द्वारा की गई अनुशंसा को स्वीकृत करते हुए यह भी निर्णय लिया गया कि प्रत्येक विभाग द्वारा अपने-अपने विभाग से सम्बन्धित पाठ्यक्रमों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली को संज्ञान में लेते हुये शास्त्री प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर/द्वितीय सेमेस्टर) कक्षा हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम प्रारूप के अनुसार नवीन पाठ्यक्रम तैयार कर विमर्श एवं

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

अनुमोदन हेतु विभागीय अध्ययन मण्डल के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा। जिसे विभागीय अध्ययन मण्डल की अनुशंसा के उपरान्त कुलपति की स्वीकृति प्राप्त कर क्रियान्वित किया जा सकेगा। प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम पूर्ण कर विरत (Exit) होने वाले छात्र सर्टीफिकेट, द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम पूर्ण कर विरत (Exit) होने वाले छात्र डिप्लोमा, तृतीय वर्ष का पाठ्यक्रम पूर्ण कर विरत (Exit) होने वाले छात्र एडवांस डिप्लोमा तथा चतुर्थ वर्ष का पाठ्यक्रम पूर्ण कर विरत (Exit) होने वाले छात्र स्नातक/शास्त्री/बी.ए./बी.एस.सी.(योग) की उपाधि प्राप्त कर सकेगें । पाठ्यक्रम का प्रारूप निम्नलिखित है:-

राष्ट्रीय शिक्षानीति-२०२० दृष्ट्या स्वीकृतः

शास्त्रि प्रथमवर्षे (-प्रथमसत्रम्)

पाठ्यक्रमनाम - संस्कृतभाषा-संस्कृतविद्यापरिचयपाठ्यक्रमः

(Sanskrit language & Sanskrit studies)

प्रारूपम्

क्र.सं.	प्रश्नपत्रम्	विषयः	पूर्णाकः (सैद्धान्तिकः ८० अंकः तथा आन्तरिकमूल्याकंनः २० अंकः)	क्रेडिट
1	प्रथमपत्रम्	प्रायोगिकं संस्कृतव्याकरणम् (सरलमानकसंस्कृतमाध्यमेन)	100	4
2	द्वितीयपत्रम्	संस्कृतभाषानुप्रयोगः (सरलमानकसंस्कृतमाध्यमेन)	100	4
3	तृतीयपत्रम्	Basic English language Grammer & applications	100	4
4	चतुर्थपत्रम्	स्वशास्त्रं तदीयं संस्कृतञ्च (सरलमानकसंस्कृतमाध्यमेन) वेद, धर्मशास्त्रं, नव्यव्याकरणं, प्राचीन-व्याकरणं, पौरोहित्यं, सिद्धान्त-ज्योतिषं, फलित-ज्योतिषं, वास्तुशास्त्रं, प्राचीन-न्यायः, नव्यन्याय, सर्वदर्शनं, सांख्ययोगः, अद्वैत-वेदान्तः, विशिष्टाद्वैत-वेदान्तः, जैनदर्शनं, मीमांसा, योगः, साहित्यं, पुराणेतिहासः, प्राकृतभाषा ।	100	4
5	पञ्चमपत्रम्	हिन्दी भाषा साहित्य	100	4
6	षष्ठपत्रम्	संस्कृतवाङ्मयस्य (लौकिकस्य वैदिकस्य च) सामान्यः परिचयः (सरलमानकसंस्कृतमाध्यमेन)	100	4
7	सप्तमपत्रम्	Computer Application	100 (40+40)	04

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

8	ऐच्छिकपत्रम् (ऑनलाइन माध्यम)	संचार कौशल-व्यक्तित्व विकास पाठ्यक्रम (Communation Skill & personality Development)	100	04

विशेष-१. प्रत्येक पत्र का अध्ययन करना अनिवार्य है। सप्तम पत्र में सैद्धान्तिक और प्रायोगिक अनिवार्य हैं।

२. चतुर्थ पत्र में प्रत्येक विषयों में सिद्धान्ताधारित पाठ्यक्रम होगा, जिनमें ग्रन्थों को सन्दर्भ में रखा जायेगा । जिससे छात्रों का उस शास्त्र और उसकी भाषा से परिचय कराया जा सके । सांख्ययोग के पाठ्यक्रम का प्रारूप मानक के रूप में रखा जाय ।

संकल्प संख्या ३.१५: केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एक्ट २०२० में प्रदत्त प्रावधानों के अनुसार विश्वविद्यालय के संकाय एवं विभागों की संरचना के अनुसार नामकरण करने के संबंध में।

विद्या परिषद् द्वारा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एक्ट 2020 में प्रदत्त प्रावधानों के अनुसार द्वितीय सूची उपनियम संख्या संख्या 4 एवं 17 में प्रदत्त प्रावधानों को संज्ञान में लेते हुये विश्वविद्यालय में वर्तमान में संकाय एवं विभागों की संरचना एवं नामकरण निम्न प्रकार से निर्धारित करने की स्वीकृति प्रदान की गई ।

क्रम सं.	विषय:	विभागनाम	पीठम्नाम
1	वेद:	वेदविभाग:	वेद-वेदांगपीठम्
2	पौरोहित्यम्	पौरोहित्यविभाग:	
3	धर्मशास्त्रम्	धर्मशास्त्रविभाग:	
4	व्याकरणम्	व्याकरणविभाग:	
5	ज्योतिषम्	ज्योतिषविभाग:	
6	वास्तुशास्त्रम्	वास्तुशास्त्रविभाग:	
7	पुराणेतिहास:	पुराणेतिहासविभाग:	साहित्य एवं संस्कृतिपीठम्
8	साहित्यम्	साहित्यविभाग:	
9	प्राकृतभाषा:	प्राकृतभाषाविभाग:	
10	अद्वैतवेदान्त:	अद्वैतवेदान्तविभाग:	दर्शनशास्त्रपीठम्
11	विशिष्टाद्वैतवेदान्त:	विशिष्टाद्वैतवेदान्तविभाग:	
12	सांख्ययोग:	सांख्ययोगविभाग:	
13	न्यायवैशेषिक:	न्यायवैशेषिकविभाग:	
14	मीमांसाशास्त्रम्	मीमांसाविभाग:	
15	जैनदर्शनम्	जैनदर्शनविभाग:	
16	सर्वदर्शनम्	सर्वदर्शनविभाग:	
17	योगविज्ञानम्	योगविज्ञानविभाग:	
18	शिक्षाशास्त्रम्	शिक्षाशास्त्रविभाग:	शिक्षाशास्त्रपीठम्
19	हिन्दी, अंग्रेजी, समाजशास्त्रम्, राजनीति	मानविकीविभाग:	

सत्यापित
VERIFIED

Anod

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत ...
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit ...
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110...
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-11...

	शास्त्रम्,		आधुनिकविषयपीठम्
20	संगणकप्रयोगः एवं पर्यावरणाध्ययनम्, मूल्यशिक्षा एवं मानवाधिकारः	आधुनिकज्ञानविभागः	
21	शोधः	शोधविभागः	

उपरोक्त विवरणानुसार विश्वविद्यालय के संकाय एवं विभागों के नवीन नामकरण के संबंध में प्रशासन विभाग द्वारा आवश्यक सूचना जारी की जायेगी तथा सभी विभागों द्वारा कार्यालय पत्राचार मे नवीन नाम करण के अनुसार ही उल्लेख किया जायेगा।

संकल्प संख्या ३.१६: शिक्षाशास्त्री (बी.एड्.), शिक्षाचार्य (एम.एड्.), विद्यावारिधि (पीएच.डी.) की प्रवेश परीक्षा के प्रश्न पत्र प्रारूप के पाठ्यक्रम में परिवर्तन करने हेतु गठित समिति की बैठक का कार्यवृत्त विद्यापरिषद् की पुष्टि हेतु प्रस्तुत।

विद्या परिषद् के संज्ञान में लाया गया कि दिनांक 08.03.2021 को पी.एस.एस.ई.टी. 2021 हेतु गठित संचालन समिति की बैठक में लिये गये निर्णय के अनुसार दिनांक 01.08.2021 को आयोजित होने वाली शैक्षणिक सत्र 2021-22 हेतु शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य तथा विद्यावारिधि पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा में पूर्व निर्धारित वास्तुनिष्ठ प्रविधि के स्थान पर बहुवैकल्पिक प्रश्नपत्र विधि द्वारा परीक्षा का आयोजित किया जाएगा, तथा प्रवेश परीक्षा हेत उपर्युक्त पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा के लिए पूर्व निर्धारित वास्तुनिष्ठ पाठ्यक्रम को बहुवैकल्पिक के रूप में परिवर्तित कर प्रवेश परिचायिका में उल्लेखित किया जाएगा।

दिनांक 13.04.2021 को संकाय प्रमुखों एवं अन्य अधिकारियों की गठित समिति कि बैठक में शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य, विद्यावारिधि की प्रवेश परीक्षा के पूर्व निर्धारित बस्तुनिष्ठ पाठ्यक्रम को बहुवैकल्पिक पाठ्यक्रम के रूप में करने से सम्बन्धित लिये गये निणयों को लागू करने हेतु विद्या परिषद् द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई । विद्यापरिषद् द्वारा यह निर्णय भी लिया गया कि लिखित प्रवेश परीक्षा हेतु बहुवैकल्पिक पाठ्यक्रम को प्रवेश परीक्षा परिचायिका में भी अंकित किया जाये ।

संकल्प संख्या ३.१७: विभागाध्यक्ष, योग विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव के अनुसार विभाग में पीएच.डी. पाठ्यक्रम संचालित करने के संबंध में।

अध्यक्ष योग विभाग द्वारा योग विभाग में विद्यावारिधि पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने हेतु दिये गये प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा के उपरान्त यह निर्णय लिया गया कि विभाग द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विद्यावारिधि उपाधि नियम 2016 में दिये गये प्रावधानों के अनुसार पाठ्यक्रम की रूप-रेखा एवं अन्य अर्हताओं पर अपने विभाग से सम्बन्धित अध्ययनमण्डल की अनुशंसा प्राप्त कर विद्यापरिषद् की आगामी बैठक में प्रस्ताव प्रस्तुत करेगें।

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

संकल्प संख्या ३.१८: विश्वविद्यालय में मीमांसा विभाग के अन्तर्गत कार्यरत सहायक आचार्य श्री राजेश गुर्जर को विद्यावारिधि पाठ्यक्रम में पंजीकरण हेतु सेवा अवधि में छूट प्रदान करने के संबंध में।

विभागाध्यक्ष, मीमांसा विभाग द्वारा प्रदत्त संस्तुति के अनुसार विभाग में कार्यरत सहायक आचार्य श्री राजेश गुर्जर द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र के अनुसार विद्यावारिधि सत्रीय पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम जारी रखने से संबंधित प्रकरण के संबंध में विद्या परिषद् के सदस्यों द्वारा "शैक्षणिक नियम परिचायिका 2020-21 में प्रदत्त प्रावधानों को संज्ञान में लेते हुए विचार-विमर्श करने के उपरान्त श्री राजेश गुर्जर, सहायकाचार्य को विश्वविद्यालय में अपने कार्य का निर्बाध रूप से निर्वहन करते हुए विद्यावारिधि पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु स्वीकृति प्रदान की गई ।

संकल्प संख्या ३.१९: संकाय प्रमुख शिक्षाशास्त्र संकाय द्वारा शिक्षाशास्त्र संकाय हेतु निर्धारित नवीन पाठ्यक्रम विद्या परिषद् की पुष्टि हेतु प्रस्तुत।

शिक्षाशास्त्र संकाय द्वारा तैयार शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य एवं विद्यावारिधि पाठ्यक्रम हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप नवीन पाठ्यक्रम को सरलमानकसंस्कृतमाध्यम से शिक्षाशास्त्र संकाय के अन्तर्गत शैक्षणिक सत्र 2021-22 से लागू करने की विद्या परिषद् द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई।

संकल्प संख्या ३.२०: केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एक्ट २०२० में प्रदत्त प्रावधानों के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा तैयार विभिन्न शैक्षणिक एवं अन्य प्रशासनिक विषयों से संबंधित अध्यादेश (Ordinances) विद्या परिषद् की स्वीकृति हेतु प्रस्तुत।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एक्ट 2020 में प्रदत्त प्रावधानों के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा अध्यादेश/नियम तैयार कर कार्य करने के लिए कार्य परिषद् की तृतीय बैठक दिनांक 13.11.2020 में लिये गये निर्णयों के अनुसार गठित सम्बन्धित समिति द्वारा निम्नलिखित विषयों पर तैयार अध्यादेश प्रस्तुत किये गये है:-

Sr.No	Ordinance on
1	Admission of students to the University and their enrollment
2	The fees to be charged for courses of study in the University and for admission to the examinations, degree, diplomas and certificates of the University.
3	Award of Fellowship, Scholarships, Studentships, Medals and Prizes.
4	Convocation
5	Award of Degrees (including Honorary degrees), diplomas, certificates of the University.
6	Recognition by the University for Cooperation/Collaboration with other University/Authority/Institution.
7	The Courses of study for all the degrees, diplomas and certificates of the

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत वि...
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit U...
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-11...
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-11...

	University.
8	Discipline among students in relation to University Examinations.
9	Equivalence Committee for Recognition of Examinations/Degrees.
10	Students Discipline
11	Games and Sports Committee
12	Medium of Instructions and Conduct of Examinations and Evaluation of Students performance for the programmes / courses leading to all shastri (Bachelor's Degrees)/Acharya (Master's Degrees) & Post Graduate Diploma/Certificate following the Semester System of Examinations other than Research Degree Programmes/Courses.

विद्या परिषद् द्वारा विचार-विमर्श के उपरान्त समिति की बैठक का कार्यवृत्त तथा उपर्युक्त अध्यादेशों को स्वीकृति प्रदान की गई।

<u>संकल्प संख्या ३.२१</u>: हिन्दू अध्ययन विभाग द्वारा एम.ए. (हिन्दू अध्ययन) पाठ्यक्रम संचालन करने हेतु पाठ्यक्रम समिति द्वारा तैयार पाठ्यक्रम विद्या परिषद् की स्वीकृति हेतु प्रस्तुत।

विद्या परिषद् की द्वितीय बैठक के संकल्प संख्या 2.15(2) दिनांक 6.11.2020 में लिए गए निर्णय के अनुसार विश्वविद्यालय में हिन्दू अध्ययन विभाग के अन्तर्गत एम.ए. (हिन्दू अध्ययन) के पाठ्यक्रम के निर्माण हेतु गठित समिति द्वारा तैयार किया गया पाठ्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2021-22 से प्रारम्भ करने की विद्यापरिषद् द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृत एम.ए. हिन्दू अध्ययन पाठ्यक्रम का प्रारूप तथा प्रथम सत्र का सम्पूर्ण पाठ्यक्रम निम्नलिखित है:-

प्रथम सत्र

क्रम. संख्या	पाठ्यक्रम विवरण	पूर्णांक: 100 (80+20)	क्रेडिट
01.	भाषा-I संस्कृत भाषा परिचय	100	06
02.	प्रविधि-- I प्रमाण सिद्धान्त	100	06
03.	प्रविधि-- II वादपरम्परा एवं अर्थनिर्धारणपद्धति	100	06
04.	सिद्धान्त- I तत्त्व विमर्श	100	06

द्वितीय सत्र

क्रम. संख्या	पाठ्यक्रम विवरण	पूर्णांक:	क्रेडिट

सत्यापित VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

		100 (80+20)	
01.	प्रविधि-III पाश्चात्य विश्लेषण पद्धतियां	100	06
02.	सिद्धान्त- II धर्म कर्म विमर्श	100	06
03.	सिद्धान्त- IV संलग्न सूची में से एक (जैनदर्शन, वेद, ज्योतिष,साहित्य,धर्मशास्त्र)	100	06
04.	भाषा- II उन्नत संस्कृत, पालि,प्राकृत,हिन्दी,छन्द,निरुक्त,शिक्षा,व्याकरण (इनमें से कोई एक)	100	06

तृतीय सत्र

क्रम. संख्या	पाठ्यक्रम विवरण	पूर्णांक: 100 (80+20)	क्रेडिट
01.	सिद्धान्त-III पुनर्जन्म, बन्धन, मोक्ष विमर्श	100	06
02.	व्यवहार- I रामायण	100	06
03.	अन्य विषय- I राजनीति विज्ञान/प्रा.भा. इतिहास	100	06
04.	अन्य विषय-II समाजशास्त्र	100	06

चतुर्थ सत्र

क्रम. संख्या	पाठ्यक्रम विवरण	पूर्णांक: 100 (80+20)	क्रेडिट
01.	व्यवहार-II महाभारत	100	06
02.	व्यवहार- III व्यवसायपरक भारतीय विद्याएँ, नाट्यशास्त्र, वास्तु, वेद, प्रा.भा. इतिहास	100	06
03.	अन्य विषय- III हिन्दी	100	06

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

04.	अन्य विषय-IV अंग्रजी	100	06

FIRST SEMESTER

COURSE - I : LANGUAGE I : संस्कृतपरिचयः (अनिवार्यम्)

पूर्णांकः 100 (80+20)
क्रेडिट–6

इकाई– 1 संस्कृताध्ययनस्य उद्देश्यं प्रयोजनञ्च — अंकः 16

1. संस्कृतवर्णमालापरिचयः – चतुर्दशमाहेश्वरसूत्राणि।
   स्वरः, व्यञ्जनम्, संयुक्तवर्णाः, अनुस्वारः, अनुनासिकम्, विसर्गः, वर्णविन्यासः, वर्णसंयोगः, उच्चारणस्थानम्, लेखन–प्रक्रिया, शब्दपदयोर्मध्ये अन्तरम् ।
2. शब्दरूपम् (दैनिकप्रयोगदृष्ट्या आधारभूता शब्दरूपप्रक्रिया),विभक्तिः, कारकम्(अर्थसहितः सामान्यपरिचयः) –
   2.1 शब्दरूपम् (संज्ञात्मकम्) – अन्तिमवर्णदृष्ट्या, लिङ्गदृष्ट्या वचनदृष्ट्या च वर्गीकरणम्।

	शब्दाः (अजन्ताः / स्वरान्ताः)					
	अकारान्तः	इकारान्तः	उकारान्तः	ऋकारान्तः	आकारान्तः	ईकारान्तः
पुलिङ्गम्	देव, राम	कवि, हरि, पति	गुरु	पितृ, दातृ	–	–
स्त्रीलिङ्गम्	–	मति	धेनु	मातृ	लता	नदी
नपुंसकलिङ्गम्	फल	वारि	वस्तु	–	–	–

   2.2 सर्वनाम– अस्मद्, युष्मद्, तद्, एतद्, यद्, भवत्, किम्, इदम्, अदस्, सर्व (त्रिषु लिङ्गेषु)।

   2.3 शब्दरूपम् (हलन्तम् / व्यञ्जनान्तम्)–

शब्दाः (हलन्ताः / व्यञ्जनान्ताः)	
पुलिङ्गम्	भिषज् (भिषक्), महत्, सुहृद्, राजन्, विद्यार्थिन्, पथिन्, गच्छत् मरुत् आत्मन्, ब्रह्मन्, विद्वस्।
स्त्रीलिङ्गम्	वाच्, सरित्, दिश्, परिषद्, आशिष्, स्त्री, लक्ष्मी, श्रीः।
नपुंसकलिङ्गम्	जगत्, नामन्, कर्मन्, चक्षुष्, मनस्, हविष्, ब्रह्मन्, धनुष्, पयस्, दधि।
एतत्सदृशानाम् अन्येषाञ्च रूपाणाम् अभ्यासः।	

3. धातुरूपम् (क्रियारूपम्)–
   3.1 धातूनां गणपरिचयः, आत्मनेपदम्, परस्मैपदम्।
   3.2 लकारदृशा – लट्लकारः (वर्तमानकालः), लृट्लकारः (भविष्यत्कालः), लङ्लकारः (भूतकालः) लोट्लकारः (आज्ञार्थकः), विधिलिङ्लकारः (सम्भावनायाम्)।
   पुरुषदृशा – प्रथमपुरुषः, मध्यमपुरुषः, उत्तमपुरुषः।
   वचनदृशा – एकवचनम्, द्विवचनम्, बहुवचनम्।
   3.3 धातवः– पंचलकारेषु धातुरूपाणि –
   परस्मैपदिनः– पठ्, लिख्, चल्, गम्, नम्, खाद्, वद्, हस्, गै, कृ, क्री, ज्ञा, घ्रा, नी, दृश्, धृ, पत्, पा(पिब), स्मृ, क्रुध्, शक्, पृच्छ्, इष (इच्छ), दा, जीव्, त्यज्, धाव्, पच्, रक्ष्, सृ, रुद्, भी, नश्, स्निह्, आप्, क्षिप्, जप्, विश्, मिल्, ग्रह्, चिन्त्, पाल्, रच्, क्षल्।
   आत्मनेपदिनः– लभ्, मुद्, क्षम्, वृध्, सह्, सेव्, ईक्ष्, ऊह्, कम्प्, भाष्, यत्, रम्, वन्द्, याच्, शीङ्।
   सत्तात्मकौ– अस्, भू।

इकाई– 2 — अंकः 16

1. सन्धिः – स्वरसन्धिः– यण्, अयादि, गुण, वृद्धि, दीर्घ, पूर्वरूप, पररूप, प्रकृतिभाव ।
   व्यञ्जनसन्धिः– परसवर्णः, अनुनासिक, श्चुत्वम्, ष्टुत्वम्, जश्त्वम्, चर्त्वम्, णत्व–षत्वविधि।

सत्यापित VERIFIED
कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्या
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

विसर्गसन्धिः – विसर्गलोपः, विसर्गस्थाने ओ, र, स्, श्, ष्।
अनुस्वारः, र लोपः, त् स्थाने ल् अनुनासिकम्।

2. समासः – केवलः, अव्ययीभावः, तत्पुरुषः, कर्मधारयः, द्विगुः, बहुव्रीहिः, द्वन्द्वः।

इकाई– 3 अंकः 16

1. कारकम् – कर्ता, कर्म, करण, सम्प्रदान, अपादान (सम्बन्ध), अधिकरण, सम्बोधन ।
2. उपपदविभक्तिः –
   - अभि, अनु, उप, उभयतः, परितः, निकषा, प्रति, धिक्, विना...... योगे द्वितीया।
   - अलम्, विना, हीनम्, सह, साकम्, सार्धम्, समम्...... योगे तृतीया।
   - नमः, स्वधा, दा, स्पृहा, अलम् (सामर्थ्यार्थे)........चतुर्थी।
   - विना, बहिः, परम्, पूर्वम्........योगे पञ्चमी।
   - अग्रतः, पुरतः, पृष्ठतः, वामतः, दक्षिणतः, उत्तरतः......योगे षष्ठी।
   - स्निह्, विश्वस्......योगे सप्तमी।
3. वाच्यम्– कर्तृवाच्यम्, कर्मवाच्यम्, भाववाच्यम्।
4. प्रत्ययः– (क) कृत्प्रत्ययः – क्त, क्तवतु, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, शतृ, शानच्, ण्यत्, क्तिन्, ल्युट्, तव्यत्, अनीयर्, ण्वुल्, तृच्, घञ्।
   (ख) तद्धितप्रत्ययः– मतुप्, वतुप्, इन्, ठक् (इक), घञ्, त्व, तल्, अण्, ष्यञ्।
   (ग) स्त्रीप्रत्ययः– ङीप्, ङीष्, टाप्।
5. अव्ययम्– (स्थानवाचि)–अत्र, तत्र, यत्र, सर्वत्र, अन्यत्र, कुत्र, एकत्र,यतः, ततः।
   (समयवाचि)– यदा, तदा, सदा, सर्वदा, कदा, अद्य, श्वः, ह्यः,परश्वः,परह्यः,वारम्,आरभ्य,निश्चयेन, ।
   (समुच्चयवाचि)– च, अपि, एव।
   (अवस्थावाचि)– आम्, किम्, धन्यवादः, आवश्यकम्।
   (दिशावाचि)– उपरतः, पृष्ठतः, वामतः, दक्षिणतः, अभितः, परितः।
   (पूर्णतावाचि)– पर्याप्तम्, अत्यन्तम्, अलम्, इति।
   (निषेधवाचि)– मास्तु, अलम्, न।
   (सम्भावनावाचि)– किन्तु, प्रायशः, अपेक्षया, अतः, यत्–तत्।
   सादृश्यवाची अव्यय– इव, नु, वा, चित्।
   अव्यय– क्त्वातोसुन्कसुनः, कृन्मेजन्त, तद्धितश्चासर्वविभक्तिः
6. उपसर्गः – आ, उत्, अनु, वि, प्र, परि, अव, उप, सम्, अप।
7. विशेष्य–विशेषणसम्बन्धः।
8. संख्या – सङ्ख्यावाचि– शब्दरूपाणि एकः, द्वौ, त्रयः, चत्वारः (त्रिषु लिङ्गेषु)।
   सङ्ख्याः – 5–100

इकाई– 4 अंकः 16

1. संस्कृत शब्दावलियों का पाश्चात्य अवधारणाओं से विरोधाभास (ईश्वर / God, आत्मा / Soul, समुदाय, धर्म / Religion, पति–पत्नी / Husband-wife इत्यादि)

इकाई–5 1. संस्कृत पाठ्यांशों के माध्यम से संस्कृत भाषा के पढ़ने तथा लिखने का अभ्यास । अंकः 16

(1) पञ्चतन्त्रम् (2) श्रीमद्भगवद्गीता द्वादशोऽध्यायः (भक्तियोगः)

1- Sanskrit Terminologies and their contrast from western concepts (*Īshwara*/God; *Ātma*/Soul; *Dharma*/Religion; *Pati-Patnī*/Husband-wife etc.).
2- Language training through reading and writing of Sanskrit passages.

इकाई–6 आन्तरिकमूल्याङ्कन अंकः 20

पाठ्यग्रन्थः 1. रचनानुवादकौमुदी – कपिलदेव द्विवेदी
2. पाठ्यक्रम ग्रन्थ– बृहदनुवाद चन्द्रिका – चक्रधर नौटियाल हंस
इकाई 1 से इकाई 3 तक

1. संस्कृत शब्दावलियों का पाश्चात्य अवधारणाओं से विरोधाभास
पाठ्यक्रम ग्रन्थ– अमरकोष–मनुष्य वर्ग से (द्वितीय काण्ड) चयनित तथा कुछ अन्य शब्द

इकाई 4

1. संस्कृत पाठ्यांशों के माध्यम से
पञ्चतन्त्रम् –लब्धप्रणाशम् भागः
गीता–द्वादशोऽध्यायः (भक्तियोगः)

सत्यापित VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

इकाई 5

संस्तुत पाठ्यसामग्री–

1. रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, विशालाक्षी भवन, भूगर्भतल, चौक, वाराणसी 221001।
2. अनुवादचन्द्रिका, ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, चौक, वाराणसी 221001।
3. संस्कृत स्वयं शिक्षक, श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, राजपाल एण्ड सन्स, कश्मीरी गेट, नई दिल्ली 110006।
4. व्याकरणसौरभम्, सम्पादक– कमलाकान्त मिश्र, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली, 2002।
5. व्याकरणवीथि, सम्पादक– कमलाकान्त मिश्र, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली, 2003।
6. संस्कृत बालबोध, भारतीय विद्याभवन, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली–110001।
7. सरल संस्कृत शिक्षक (भाग 1 से 8 तक), भारतीय विद्याभवन, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली–110001।
8. सरलसंस्कृतज्ञानम् (भाग 1 एवं 2), भारतीय विद्याभवन, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली–110001।
9. संस्कृत स्वाध्याय, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान), 56–57, इन्स्टीट्यूशन एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली, 2001।
10. दार्शनिक सम्प्रत्ययकोश, सम्पादक– शशिप्रभा कुमार, संतोष कुमार शुक्ल, रामनाथ झा, विशिष्ट संस्कृत अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, प्रकाशक डी०के० प्रिंटवर्ल्ड, वेदश्री एफ–395, सुदर्शन पार्क, नई दिल्ली–110015, 2014।
11. संस्कृतवाक्यों में वाच्यपरिवर्तन सिद्धान्त, भगवत्शरण शुक्ल, साकेत साहित्य प्रकाशन, इलाहाबाद, प्रयागराज, 1997।
12. कारकप्रकरणम्, भगवत्शरण शुक्ल, चौखम्बा संस्कृतपुस्तकालय, सी.के. 28 / 15, ज्ञानवापी, चौक, वाराणसी–01, 2019।
13. *An Easy Grammar of Sanskrit*, S.B.Datar, Pub.-Keshav Bhikaji Dhawale, Maharashtra, 2015.
14. *Sanskrit for English Speaking People*, Ratnakar Narale, Pub.- Prabhat Prakashan, New Delhi, 2013.
15. शुद्धिकौमुदी
16. पञ्चतन्त्रम्
17. श्रीमद्भगवद्गीता

*****

COURSE II – METHODS I : प्रमाण–सिद्धान्त (अनिवार्यम्)

पूर्णांकः 100 (80+20)
क्रेडिट–6

इकाई–1 — अंकः 16

1. प्रमाणसिद्धान्त का उद्भव एवं विकास।
2. प्रमाण की वैध परिभाषा क्या है? (प्राच्यपाश्चत्यावधारणानुसार)
3. शास्त्र विश्लेषण का भारतीय प्रारूप : प्रमाता, प्रमेय, प्रमाण, प्रमा।

इकाई–2 — अंकः 16

प्रमाणों का स्वरूप, परिभाषा, विधि तथा सीमाएँ : प्रत्यक्ष, अनुमान एवं उपमान।

इकाई–3 : विभिन्न प्रकार के प्रमाणों का स्वरूप परिभाषा, विधि एवं सीमा– — अंकः 16

1) शब्द, शब्दशक्ति, (अभिधा, लक्षणा, व्यञ्जना) शक्तिग्रह तथा तात्पर्य–ज्ञान तथा इनका पाश्चात्य विश्लेषण से वैपरीत्य।

इकाई–4 : अर्थापत्ति,अनुपलब्धि एवं सम्भव, ऐतिह्य, चेष्टादि — अंकः 16

इकाई–5 : — अंकः 16

1. प्राकृतिक विज्ञान तथा विधि शास्त्र में विभिन्न प्रमाणों का प्रयोग–
   - प्रत्यक्ष – प्रायोगिक विवरण।
   - अनुमान – (यदि अ=ब तथा ब=स तब स=अ, सामान्यतः गणित तथा प्राकृतिक विज्ञान में प्रयुक्त)।
   - उपमान – तुलनात्मकता तथा सादृश्य (गणितीय प्रतिमान / सादृश्य / समीकरण)।
   - अर्थापत्ति – पारिस्थितिकीय प्रमाण (विधिशास्त्र में अधिकतर प्रयुक्त)।
   - शब्द – आप्तोपदेश
   - अनुपलब्धि – अप्रत्यक्ष ज्ञान।
2. प्रमाण सिद्धान्त का प्रयोग–
   अ) आनुभविक विज्ञानों में जैसे आयुर्वेद, विधिशास्त्र (न्यायिक प्रक्रिया) तथा अर्थशास्त्र।
   ब) तत्त्वज्ञान में।
3. प्रमाणों की परस्पर पूरकता (प्रमाण सम्प्लववाद) तथा विमर्श की आवश्यकता।

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

4. समकालीन ग्रन्थों के अध्ययन में इनका अनुप्रयोग।

इकाई–6 आन्तरिकमूल्याङ्कन अंक: 20

इकाई–1 से 5 तक

पाठ्यग्रन्थ–1. तर्कभाषा–प्रमाणविचारान्तभागः बदरीनाथ शुक्ल कृत हिन्दी व्याख्या सहित

2. न्यायभाष्य–सूत्र संख्या 1–1–1,3,4,5,6 का भाष्य

3. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली–शब्दखण्ड एवं गुणप्रकरण के अन्तर्गत अर्थापत्त्यादि प्रमाण विचार।

संस्तुत पाठ्यसामग्री–

1. न्यायभाष्यम् – प्रसन्नपदा टीका सहित , सम्पा. द्वारिकादास शास्त्री– सुधी प्रकाशन– वाराणसी
2. सच्चिदानन्द मिश्र, *न्यायदर्शन में अनुमान,* भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी, 2005।
3. फणिभूषण तर्कवागीश, *न्यायदर्शन,* भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली, सम्पादक अम्बिकादत्त शर्मा एवं सच्चिदानन्द मिश्र, 2015।
4. S.S. Barlingay, *A Modern Introduction to Indian Logic*, National Publishing House, 1965.
5. D.C. Guha, *Navya Nyāya System of Logic*, Motilal Banarsidass, 1979
6. Nandita Bandyopadhyay, *The Concept of Logical Fallacies*, Sanskrit Pustak Bhandar, 1977
7. Ratna Dutta Sharma, *Philosophical Discourse*, Allied Publishers Pvt. Ltd, 2000.
8. Srilekha Datta, *'Validity is Not Enough'* in P.K. Sen (ed.): *Logical Identity and Consistency*, Allied Publishers Limited, 1998
9. Chattopadhyay, Madhumita, *Walking along the Path of Buddhist Epistemology*, DK Printworld, 2007.
10. Kaṇāda, *Vaiśeṣika Darśanam*– with *Praśastabhāṣya* (in Bengali) – ed. by Damodarasram, Kolkata, 2010.
11. Keshava Mishra, *Tarkabhāṣā*- ed. by Gangadhar Kar, part-1, Jadavpur University, Kolkata, 2008.
12. Narayaṇa Bhatta, *Mānameyodaya*, Calcutta Sanskrit College Research Series No. CXXXVIII, Texts No.43, 1990.
13. Debabrata Sen,*The Concepts of Knowledge*, K. P. Bagchi, Calcutta, 1984.
14. K. N. Jayatilleke, *Early Buddhist Theory of Knowledge*, Routledge Pub, London, 1963.
15. Swami Satprakasananda, Huston Smith: *Methods of Knowledge*, Advaita Ashram, London, 1995.
16. D. M. Datta: *The Six Ways of Knowing*, University of Calcutta, Calcutta, 1998.
17. Satischandra Chatterjee: *The Nyāya Theory of Knowledge*, Bharatiya Kala Prakashan, 2008.
18. Govardhan P. Bhatt : *Epistemology of the Bhaṭṭa School of Pūrva Mīmāṁsā*, Chaukhambha Sanskrit Series, Varanasi, 1962.
19. P. K. Mukhopadhyay : *Nyāya Theory of Linguistic Performance* ,Jadavpur University and K. P. Bagchi & Co., Kolkata, 1992.
20. B. K. Matilal, *Perception: An Essay On Classical Indian Theories Of Knowledge*, Oxford University Press, USA, 1986.
21. Srinivasa Rao : *Perceptual Error: The Indian Theories*, University Press of Hawai'i, Honolulu, 1998.
22. Śālikanatha Mishra, *Prakaraṇapañcikā- Nyayasiddhi*, A. Subrahinanya Śāstrī (ed.), Banaras Hindu University, Varanasi, 1961
23. Jyogendra Nath Bagchi, *Prāchīna Nyāya and Mīmamsa Dārśana Sammata Prāmāṇyavāda*, Sanskrit Pustaka Bhandar.
24. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली–विश्वनाथपञ्चाननभट्टाचार्य
25. काव्यप्रकाशः– आचार्य मम्मट
26. शब्दशक्तिप्रकाशिका– जगदीशतर्कालङ्कार
27. शक्तिवादः गदाधरभट्टाचार्य
28. वैयाकरणलघुमञ्जुषा–नागेशभट्ट ।

****

सत्यापित VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

COURSE III – METHODS II : वादपरम्परा तथा उनकी संस्थाएं; विकास और ज्ञान का सातत्य(अनिवार्यम्)

पूर्णांकः 100 (80+20)
क्रेडिट– 06

इकाई–1 अंकः 16

1. वादपरम्परा : शास्त्रार्थ की विधि–
   अ) सम्पन्न करने की विधि, निर्णयन, अनुशीलन और अद्यतनता।
   ब) सिद्धान्त (सर्वतन्त्र– प्रतितन्त्र–अभ्युपगम–अधिकरण सिद्धान्त)
2. कथा (स्वरूप तथा प्रकार)–
   अ) वाद (स्वरूप तथा उद्देश्य)
   ब) जल्प (स्वरूप तथा उद्देश्य)
   स) वितण्डा (स्वरूप तथा उद्देश्य)

इकाई–2 अंकः 16

1. ज्ञान परम्परा का संगठन–
   अ) सूत्र (सिद्धान्तों की सूत्रात्मक प्रस्तुति), भाष्य (सिद्धान्त का विवरण), वार्तिक (निर्दिष्ट तथा अनिर्दिष्ट स्थितियों की समीक्षा)।
   ब) वृत्ति (सिद्धान्त का संक्षिप्त विवरण)।
   स) टीका (सरलविधि में उदाहरण सहित विस्तृत विवरण)।
   द) टिप्पणी (किसी निश्चित बिन्दु, परिभाषा, शब्दावली, पादटिप्पणी के रूप में)

इकाई–3 अंकः 16

1. पदैकवाक्य एवं वाक्यैक्य वाक्यता।
2. अर्थनिर्धारण की प्रविधियाँ (श्रुति, लि", वाक्य, प्रकरण, स्थान, समाख्या)
3. ज्ञान के तात्पर्यविश्लेषण के नियम षड्विधप्रक्रिया– षड्विधतात्पर्यनिर्णायक लिङ्ग।

इकाई–4 अंकः 16

1. तन्त्रयुक्ति : अन्वेषण विधि, प्राकृतिक विज्ञान, तकनीकी औषधि, विधिशास्त्र, निर्माण क्षेत्र में निर्णयन के विभिन्न स्तर तथा किसी समकालीन समस्या के समाधान में इनका अनुप्रयोग।
2. नैयायिकप्रक्रिया (समस्या से निर्णय)।

इकाई–5 : वेदोच्चारण तथा अर्थ संरक्षण के माध्यम– अंकः 16

1. वेदांग।
2. पाठ–पद्धति(संहिता पाठ–पुरुषसुक्त के अनुसार, हिरण्यगर्भसूक्त, सामनस्यसूक्त–उच्चारण/अष्टविकृतिपाठ।

इकाई–6 आन्तरिकमूल्याङ्कन अंकः 20

पाठ्यग्रन्थः– इकाई 1– अ,ब, न्याय भाष्य 1–2–1 से 3 सूत्र एवं 1–1–26 से 31, 1–1–41 सूत्र
इकाई 2– न्यायवार्तिक–1–1सूत्रवार्तिक
इकाई 3– मीमासान्यायप्रकाश–श्रुतिलिङ्गादि भाग
इकाई 4– उपरि लिखित शास्त्रीय विचारों की आधुनिक दृष्टि और प्रयोग।
इकाई 5– 1. वैदिकसाहित्येतिहासः जगदीशचन्द्रमिश्रः सं.वा.वृ.का वेद खण्ड से वेदाङ्ग भाग
2. संहिता पाठ– पुरुषसूक्त, हिरण्यगर्भसूक्त, सामनस्यसूक्त (अष्टविकृति पाठ)

संस्तुत पाठ्यसामग्री–

सत्यापित VERIFIED
कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

1. न्यायभाष्यम्–प्रसन्नपरा सहित–सम्पा द्वारिकादास शास्त्री–सुधीप्रकाशन, वाराणसी
2. संवादोपनिषद्, राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रकाशक– भारत अध्ययन केन्द्र, मालवीय हेरिटेज काम्प्लेक्स, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी 221005. 2018।
3. 'भाष्यपरम्परा ज्ञानप्रवाहश्च', (भाष्यपरम्परासु ज्ञानप्रवाहसातत्यम्– उमाशंकर शर्मा ऋषि) सम्पादक – गोपबन्धु मिश्र, सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल, गुजरात, 2020।
4. सच्चिदानन्द मिश्र, अर्थ सामीप्य : अर्थ निर्धारण का महत्त्वपूर्ण घटक, दर्शन के आयाम, ब्रह्ममोद्य–1, न्यू भारती बुक कार्पोरेशन, 2011.
5. मीमांसान्यायप्रकाश (छायाज्ञानवतीहिन्दीव्याख्यासहित), आपदेव, राधेश्याम चतुर्वेदी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी, 2016.
6. शांकरदृष्टि में सांख्यदर्शन, अशुतोष त्रिपाठी, भारती प्रकाशन, 2020।
7. *Kauṭilīya-arthaśāstram:* Hindī vyākhyopetam by Vācaspati Gairolā, Caukhambā Vidyābhavana, Vārāṇasī, 1962.
8. Radhavallabh Tripathi, *Vāda in Theory and Practice: studies in debates, dialogues, and discussions in Indian intellectual discourses*, IIAS, Shimla and DK Print World, New Delhi, 2016.
9. Kamalesh Datta Tripathi, *The Structure of the Śāstra and The Tradition of Exegesis: An Overview of The Indian Exegesis.*
10. K. N. Chatterjee, *Word and its Meaning- A New Perspective*, Varanasi, 1980.
11. P. K. Mazumdar, *The Philosophy of Language: An Indian Approach*, Calcutta, 1976.
12. S.S. Barlingay : *A Modern Introduction to Indian Logic,* National Publisher House, Delhi, 1965.
13. S.S. Barlingay: *'Problem of Formalisation in Saṃvāda Śāstra'*, JICPR, 1996.
14. S.S. Barlingay: *'Standards of Scientific Investigation: Logic and Methodology of Science in Caraka Saṃhitā*, IJHS, 19(3), 1984.
15. याज्ञवल्क्यशिक्षा

COURSE IV - PRINCIPLES I : तत्त्वविमर्श (अनिवार्यम्)

पूर्णांक 100 (80+20)
क्रेडिट–6

इकाई–1 हिन्दूवाद का मूल एवं क्रमिक इतिहास अंक: 16

1. 'हिन्दू' : वंशावली, भौगोलिक सम्प्रत्यय।
2. 'हिन्दू' : भारतीय मनीषियों तथा विदेशी विद्वानों के मतों का समीक्षण
3. भारतीय ज्ञान परम्परा (अष्टादशविद्या) और इनके आचार्य।
4. भारतीय परम्परा में पदार्थ तत्त्व, (काल एवं दिक) की प्रकृति एवं पंचमहाभूतों का स्वरूप।

इकाई–2 अंक: 16

1. सम्पूर्ण परम्परा में आत्मा एवं आत्मतत्त्व की अवधारणा विषयक समानता।
2. सम्प्रभुता का समानांतर सिद्धान्त (आत्मानुशीलन)–
   अ) आत्मपरिचय : वाक्सूक्त, देव्यथर्वशीर्ष, कृष्ण (इन्द्रो–मायाभिपुरुरूपमीयते)।
   ब) अर्धनारीश्वर कश्मीर शैव–दर्शन एवं बृहदारण्यक उपनिषद् (1.4.3)

इकाई–3 अंक: 16

1. शक्ति और प्रकृति का सिद्धान्त : स्त्री तथा देवियों के परिप्रेक्ष्य में।
2. सौन्दर्यलहरी : सामान्य अध्ययन।
3. जैन एवं बौद्ध तथा सिक्ख परम्पराओं में स्त्री सिद्धान्त विषयक समानता।

इकाई–4 : अंक: 16

1. अ) वैदिक परम्परा में एकत्त्व का सिद्धान्त, विरुद्ध मतों की स्वीकार्यता का आधार।
   ब) जैन, बौद्ध, न्याय, वैशेषिक एवं सिक्ख, सिद्धान्तों मे अन्तःसंयोजनात्मकता।
2. अनन्त ज्ञान और विनम्रता का उत्स : (नासदीय सूक्त,गजेन्द्रमोक्षस्तोत्रम् श्री म.भा. 8/3 जैन, बौद्ध एवं सिक्ख ग्रन्थों के सन्दर्भ में)।
3. शब्दावली में एकत्व : एक सत्ता के अनेक अभिधान (जैसे– विष्णु, बुद्ध, सूर्य एवं प्रेम)।
4. अन्तःसंयोजनात्मकता, एकत्व, अन्योन्याश्रितता, स्वीकार्यता से अन्त सम्बन्ध।

सत्यापित VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

5. तर्क की स्वीकार्यता : असहिष्णुता, हिंसा एवं आतंकवाद का निषेध (वैदिक मन्त्र, जैन (जिनदत्त सूरि)
तथा सिक्ख मत।

इकाई–5 : वैदिक दृष्टि **अंक: 16**

1. वर्ण की तात्त्विक स्थिति : पुरुषसूक्त, बृहदारण्यक उपनिषद् एवं मनीषापञ्चक(शंकराचार्य)।
2. सार्वभौमिक समानता तथा सम्मान का आधार : एकत्व का सिद्धान्त।
3. वर्ण, जाति एवं कास्ट पूरी तरह से विभिन्न विचारों से सम्बद्ध कैसे? (श्रीमद्भगवद्गीता)

इकाई–6 आन्तरिकमूल्याङ्कन अंक: 20

पाठ्यग्रन्थ:– इकाई–1 प्राचीनभारतीय इतिहास– सिन्धु उपत्यका सभ्यता
रघुवंशम्–चतुर्थ सर्ग (रघुविजयप्रसङ्ग)
तर्कसंग्रह–प्रमयेखण्ड

इकाई–2 भारतीय दर्शन– बलदेव उपाध्याय
(क) वाक्सूक्त
(ख) देव्यथर्वशीर्ष
(ग) बृहदारण्यकोपनिषद्

इकाई–3 (क) सौन्दर्यलहरी
(ख) जिनसेनमहापुराण–सम्बद्ध भाग
(ग) जातककथा – सम्बद्ध भाग
(घ) गुरुग्रन्थ साहब– सम्बद्ध भाग

इकाई–4 (अ) केनोपनिषद्
(ब) भारतीय दर्शन–बलदेव उपाध्याय
(क) नासदीय सूक्त, गजेन्द्रमोक्ष स्तोत्रम्

इकाई–5 पुरुषसूक्तम् मनीषा पञ्चक, बृहदारण्यकोपनिषद्
श्रीमद्भगवद्गीता–17वाँ अध्याय

संस्तुत पाठ्यसामग्री–

1. पुरुषसूक्त, ऋग्वेद 10 मण्डल, 90वाँ सूक्त श्रीपाद दामोदर सातवलेकर पारडी।
2. नासदीयसूक्त, ऋग्वेद 10 मण्डल, 129वाँ सूक्त, श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, पारडी।
3. वाक्सूक्त ऋग्वेद 10 मण्डल, 129वाँ सूक्त, श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, पारडी।
4. ईशादिनवोपनिषद्, हरिहरनाथ भागवत (ईश–केन–कठ–प्रश्न–मुण्डक–माण्डूक्य....शांकरभाष्य सहित), चौखम्भा प्रकाशन, 2015।
5. वैदिकसूक्तसंग्रह, गीताप्रेस, गोरखपुर, संस्करण।
6. सौन्दर्यलहरी, पिताम्बरा पीठ, दतिया, मध्यप्रदेश।
7. शांकरज्योति (मनीषापंचक), सोमस्कन्दन, पयस्वती प्रकाशन, करौंदी, वाराणसी, 2004।
8. मनीषापंचक, आदिशंकराचार्य, पी.पी.नारायण स्वामी, 2020
9. बृहदारण्यक उपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर, संस्करण, 1915.
10. पुरुषार्थचतुष्टय, प्रेमवल्लभ त्रिपाठी, चौखम्बा पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
11. भारतीय विद्यासार (भाग 1 एवं 2), भारतीय विद्या भवन, सं– शशिबाला, ओम विकास, अशोक प्रधान, नई दिल्ली, 2018।
12. संस्कृत वाङ्मय मे विज्ञान का इतिहास, सं– कमलाकान्त मिश्र, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली, 2003।
13. प्राचीन भारतीय आचार्य, सम्पादिका– शशिप्रभा कुमार, रेवा प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016।
14. भारत की संत परम्परा और सामाजिक समरसता, कृष्णगोपाल, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, 2018।
15. दुर्गासप्तशती, गीताप्रेस, गोरखपुर, संस्करण, 2017।
16. केनोपनिषद्, ईशादि नौ उपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर, 2017।
17. *The Concept of Ātman in the Principal Upaniṣads: In the Perspective of the Saṁhitās, the Brāhmaṇas, the Āraṇyakas and Indian Philosophical System*, Baldev Raj Sharma, Dinesh Publications, Jalandhar-144008, 1972.
18. जिनसेन–महापुराण
19. *Facets of Indian Heritage*, Ed. Dipti Sharma Tripathi, New Bharatiya Book Corporation, Delhi, 2008.
20. *The Tantras and Their Impact on Indian Life*, Ed. Pushpendra Kumar, Vidyanidhi Prakashan, Delhi, 2004.
21. *Relevance of India's Ancient Thinking to contemporary Strategic Reality*, Ed. Arvind Gupta & Arpita Mitra, Vivekanand International Foundation & Aryan Books International, New Delhi, 2020.

सत्यापित VERIFIED
कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

22. *Maitryupaniṣad*, S. Radhakrishnan, The Principal Upaniṣads, Harper Collins Publishers, Noida, 2016.
23. *Taittiriyopaniṣad*, S. Radhakrishnan, The Principal Upaniṣads, Harper Collins Publishers, Noida, 2016.
24. *Subala Upaniṣad*, S. Radhakrishnan, The Principal Upaniṣads, Harper Collins Publishers, Noida, 2016.
25. *Sāmkhya Kārikā*, Ed. & Tr. Ramāśaṅkara Tripathi, Chaukhaba Krishnadas Academy, Varanasi, 2015.
26. *Tarkabhāṣā- Yaśovijaya*, Ed. Dayānanda Bhārgava, Motilal Banarasidas, 1973.
27. *Vaiśeṣika Gaṇitīya Paddhati*, N.G. Dongre, Varanasi, S.S.V., 1965.
28. *Vedāntaparibhāṣā* (viṣaya paricchedah), Dharmarajadhvarindra, ed. by Panchanan Shastri, śak 1883.
29. *Sankhyatattvakaumudi*, Vacaspati Misra, ed. by Narayan Chandra Goswami, 1921.
30. *Classical Indian Metaphysics*, Stephen H. Philips, Delhi: Motilal Banarasidass, 1997.
31. *Indian Realism*, Jadunath Sinha, London: Kegan Paul, 1938.
32. *Indian Realism*, P.K. Mukhopadhyaya, Calcutta: K.P. Bagchi 1984.
33. *Vaiśesika Philosophy*, H. Ui, Varanasi: Chowkhambha Sanskrit Series 22, reprinted in 1962
34. *Tarkabhāṣā Vol– II*, Gangadhar Kar, Kolkata: Mahabodhi Books, 2014 Gopinath Bhattacharya, *Essays in Analytic Philosophy.*
35. *Nyāya Tattva Parikramā*, K. K. Banerjee.
36. *Facts of Indian Thought*, Betty Heimann, George Allen & Unwin Ltd, London, 1964.

विद्यापरिषद् द्वारा यह भी निर्णय लिया गया कि जब तक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा इस पाठ्यक्रम के संचालन हेतु पद स्वीकृत नहीं किये जाते तब तक विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञों/अध्यापकों द्वारा पाठ्यक्रम को चलाने हेतु अपनी सहभागिता प्रदान की जाएगी। जिन विषयों से सम्बन्धित अध्यापक विश्वविद्यालय में उपलब्ध नहीं होगें उन विषयों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा अतिथि अध्यापकों की नियुक्ति की जायेगी । इस विभाग के विषयों का अध्यापन आधुनिक शैली में किया जायेगा । इस विभाग को आधुनिकविषयपीठ के अन्तर्गत रखा जाये।

<u>संकल्प संख्या ३.२२</u>: संकाय प्रमुखों एवं अन्य अधिकारियों की दिनांक २४.११.२०२०, २२.१२.२०२०, ३१.१२.२०२०, ८.०१.२०२१, ९.०२.२०२१, २२.०३.२०२१ एवं ३१.०३. २०२१ को आयोजित बैठकों में लिये निर्णयों के कार्यवृत्त विद्या परिषद् की पुष्टि हेतु प्रस्तुत।

कोविड-19 महामारी से उत्पन्न परिस्थितियों के कारण शैक्षणिक तथा अन्य गतिविधियों को सुचारु रूप से संचालित करने हेतु समय-समय पर संकाय प्रमुखों एवं अन्य अधिकारियों की बैठकें ऑनलाईन/ऑफलाईन माध्यम से आयोजित की गई। बैठकों में लिये गये निर्णयों की विद्या परिषद् द्वारा पुष्टि की गयी ।

विद्या परिषद् द्वारा दिनांक 31.03.2021 को आयोजित संकाय प्रमुखों एवं अन्य अधिकारियों की बैठक में महिला अध्ययन केन्द्र को बन्द करके वहाँ के लिए एक मात्र स्वीकृत सहायक आचार्य के पद को परिवर्तित कर हिन्दी विभाग में हिन्दी सहायक आचार्य के रूप में परिवर्तित करने हेतु लिये गये निर्णय पर विद्या परिषद् द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई। विद्या परिषद् द्वारा सहायक आचार्य पद हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित सहायक आचार्य और हिन्दी अधिकारी की अपेक्षित अर्हता को संज्ञान में लेते हुए हिन्दी सहायक आचार्य हेतु निम्नलिखित अर्हताएं निर्धारित की गई:-

1. किसी भारतीय विश्वविद्यालय से सम्बन्धित/संगत/सम्बन्ध विषय में 55 प्रतिशत अंक के साथ निष्णात उपाधि (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली लागू हो वहां प्वाइंट स्केल में समतुल्य ग्रेड) अथवा

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

किसी प्रत्यायित विदेशी विश्वविद्यालय से समतुल्य उपाधि। के साथ अतिरिक्त डिग्री स्तर पर अंग्रेजी एक विषय के रूप में ली हो।

2. हिन्दी में पारिभाषिक कार्य और/अथवा अंग्रेजी से हिन्दी में और हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद करने का 5 वर्ष का अनुभव जिसमें तकनीकि अथवा वैज्ञानिक साहित्य कार्यको तरजीह दी जाएगी अथवा हिन्दी के शिक्षण अनुसंधान, लेखन अथवा पत्रकारिता का 5 वर्ष का अनुभव ।

3. उपर्युक्त अर्हताओं को पूरा करने के साथ-साथ अभ्यर्थी ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अथवा सी. एस.आई.आर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता (एन.ई.टी. उत्तीर्ण की हो अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रत्यायित किसी प्रकार की परीक्षा यथा एस.एल.ई.टी./एस.ई.टी. उत्तीर्ण की हो अथवा जिन्हे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल्/पीएच.डी. उपाधि के लिए न्यूनतम मानक और प्रक्रिया) नियम 2009 अथवा 2016 और समय-समय पर इनमें बाद में किये गये संशोधनों, जैसा भी मामला हो, के अनुसार पी.एच.डी. की उपाधि प्रदान की गई हो, उन्हे एन.ई.टी/एस.एल.ई.टी./एस.ई. टी. से छूट प्रदान की जाएगी।

बशर्ते के दिनांक 11.7.2009 से पूर्व एम.फिल्/पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए पंजीकृत अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान करने वाली संस्थाओं के तत्कालीन विद्यमान अध्यादेशों/उपनियमों/विनियमों के उपबन्धों द्वारा अभिशासित होगें। ऐसे सभी पीएच.डी. धारक अभ्यर्थियों को निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने के अध्यधीन विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों/संस्थाओं में सहायक आचार्य अथवा समतुल्य पदों पर भर्त्ती और नियुक्ति के लिए एन.ई.टी/एस.एल.ई.टी./एस.ई.टी. की अपेक्षा से छूट प्रदान की जाएगी:-

(क) अभ्यर्थियों को पीएच.डी.की उपाधि केवल नियमित पद्धति से प्रदान की गई हो।
(ख) पीएच.डी. शोध प्रबन्ध का मूल्यांकन कम से कम 2 बाह्य परीक्षकों द्वारा किया गया हो।
(ग) पीएच.डी. के लिए अभ्यर्थी की एक खुली मौखिक परीक्षा आयोजित की गई हो।
(घ) अभ्यर्थी ने अपने पीएच.डी. कार्य से 2 अनुसंधान पत्रों को प्रकाशित किया हो, जिनमें से कम से कम एक संदर्भित जर्नल में प्रकाशित हुआ हो।
(ङ) अभ्यर्थी ने वि.वि.अ.आयोग/आई.सी.एस.एस.आर/सी.एस.आई.आर अथवा ऐसी ही किसी ऐजेन्सी द्वारा प्रायोजित एवं वित्तपोषित/सहायता प्राप्त सम्मेलनों/विचार गोष्ठियों में अपने पीएच.डी. कार्यों के आधार पर कम से कम दो पत्रों को प्रस्तुत किया हो।

इन शर्तों को पूरा करने को सम्बन्धित विश्वविद्यालय के कुलसचिव अथवा संकाय अध्यक्ष (शैक्षणिक कार्य) द्वारा सत्यापित किया जाए।

बांछनीय :- संस्कृत अथवा किसी भारतीय भाषा का ज्ञान हो।

विद्या परिषद् द्वारा समय-समय पर आयोजित संकायप्रमुखों की बैठकों में लिये गये निर्णयों एवं उनके क्रियान्वयन पर स्वीकृति प्रदान की गई।

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

संकल्प संख्या ३.२३: शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा शिक्षाशास्त्री (द्वितीय वर्ष) के छात्रों की विद्यालय सम्बद्धता प्रायोगिक कक्षायें आयोजित करने के संबंध में गठित समिति की बैठक का कार्यवृत्त विद्या परिषद् के विचारार्थ एवं स्वीकृति हेतु प्रस्तुत।

शिक्षाशास्त्री (द्वितीय वर्ष) के छात्रों की विद्यालय सम्बद्धता प्रायोगिक कक्षायें आयोजित करने के संबंध में गठित समिति की बैठकों में लिए गए निर्णयों के कार्यवृत्त पर विद्या परिषद् स्वीकृति प्रदान की गई।

संकल्प संख्या ३.२४: संचार कौशल-व्यक्तित्व विकास पाठ्यक्रम (Communication Skill & Personality Development Programme) से संबधित ऑन-लाईन पाठ्यक्रम तैयार करने हेतु गठित समिति की बैठक का कार्यवृत्त विद्या परिषद् की स्वीकृति हेतु प्रस्तुत।

दिनांक 27.05.2020 को आयोजित विद्यापरिषद् की बैठक तथा कार्य परिषद् द्वारा लिये गये निर्णयों के अनुसार आधुनिक विद्यासंकाय के अर्न्तगत में लिये गये निर्णय के अनुसार आधुनिक विद्यासंकाय के अर्न्तगत शास्त्री प्रथम वर्ष में अध्ययनरत सभी छात्रों को अंग्रेजी भाषा में संचार कौशल-व्यक्तित्व विकास पाठ्यक्रम (Communication Skill & Personality Development Programme) संचालित करने की स्वीकृति प्रदान की गयी है। विद्यापरिषद् एवं कार्यपरिषद् द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार यह पाठ्यक्रम ऑनलाईन माध्यम से शास्त्री प्रथम वर्ष के छात्रों के लिये लागू होगा, (जो एक वर्षात्मक प्रमाणपत्रीय उसके बाद निरन्तर क्रम से द्विवर्षीय डिप्लोमा तथा तीन वर्षीय एडवांस डिप्लोमा प्रदान किया जायेगा।)

पाठ्यक्रम को संचालित करने के लिये गठित समिति द्वारा लिये गये निर्णयों के अनुसार विश्वविद्यालय में अंग्रेजी भाषा में अध्यापकों की संख्या को संज्ञान में लेते हुये प्रथम चरण में संचार कौशल-व्यक्तित्व विकास पाठ्यक्रम के अन्तर्गत केवल एक वर्षीय प्रमाण पत्रीय पाठ्यक्रम का संचालन किया जायेगा तथा शैक्षणिक सत्र 2021-22 में एक वर्षीय प्रमाण पत्रीय पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया प्रदान की जा सकती है। पाठ्यक्रम को संचालित करने के लिये गठित समिति द्वारा लिये गये निर्णयों के कार्यवृत्त पर विद्या परिषद् द्वारा स्वीकृति प्रदान की गयी।

संकल्प संख्या ३.२५: आधुनिक विद्यासंकाय के अन्तर्गत एम.ए. हिन्दी-साहित्य द्विवर्षीय पाठ्यक्रम निर्माण करने हेतु गठित समिति की बैठक का कार्यवृत्त विद्यापरिषद् की स्वीकृति हेतु प्रस्तुत।

विद्यापरिषद् की प्रथम बैठक में लिये गये निर्णय के अनुसार आधुनिक विद्या संकाय के अन्तर्गत एम.ए. हिन्दी-साहित्य द्विवर्षीय नियमित एवं ऑनलाईन पाठ्यक्रम संचालन करने हेतु उक्त पाठ्यक्रम की रूपरेखा निर्माण करने हेतु गठित समिति द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुसार अध्यापक छात्र अनुपात के सम्बन्ध में निर्धारित अनुपात एवं दिशा निर्देशों को संज्ञान में लेते हुये यह सुझाव दिया कि विद्यापरिषद् द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार प्रवेश हेतु 10 सीट

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

के स्थान पर प्रथम चरण में प्रवेश हेतु कम से कम 15 सीट निर्धारित की जाय ताकि विभाग में नये पदों के सृजन हेतु किसी प्रकार की तकनीकी समस्या उत्पन्न ना हो। द्विवर्षीय एम.ए. हिन्दी-साहित्य पाठ्यक्रम की रूपरेखा तथा निर्णयों के कार्यवृत्त पर विद्यापरिषद् द्वारा स्वीकृति प्रदान की गयी। विद्यापरिषद् द्वारा यह भी निर्णय लिया गया कि उक्त पाठ्यक्रम तथा अन्य विषय में किसी प्रकार के परिर्वतन हेतु अध्ययन मण्डल की अनुशंसा के आधार पर माननीय कुलपति महोदय स्वीकृति द्वारा स्वीकृति प्रदान की जा सकती है।

अध्यक्ष महोदय की अनुमति से विचारार्थ प्रस्तुत अन्य विषय।

प्रो. प्रेम कुमार शर्मा जी द्वारा स्ववित्तप्रोषित अंशकालीन पाठ्यक्रम में 10 से कम छात्र होने पर उन पाठ्यक्रम के संचालन में वित्त सम्बन्धी समस्या का प्रश्न विद्या परिषद् के समक्ष रखा ।

विद्या परिषद् ने चर्चा के उपरान्त उपर्युक्त स्थिति में सम्बन्धित विभाग के अध्यापक/अध्यापकों द्वारा बिना अतिरिक्त मानदेय के अध्यापन पर सहमति प्रदान की ।

अन्त में धन्यवाद के साथ विद्या परिषद् की बैठक सम्पन्न हुई ।

(डॉ. अलका राय)
कुलसचिव एवं सचिव

(प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय)
कुलपति एवं अध्यक्ष

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016